

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ गालनीनात्रयभीचनीभाचयमीक्षनिभीक्षयजिववलदत्ताहा ॥ थममुनधकनड
 पत्रपंथीनीपायंतदननभीसांव्यूख ॥ धाततठपत्रंपत्रंखउपत्रपीनानकीणनसं
 सिकभीभाव्यूवश्री ॥ सत्रानमूर्त्वमीउसंसतंक ॥ १ ॥ केतिक्कात्रमूलववीलन
 महितगीयताद ॥ ८ ॥ काकत्रपसहसंगीदृष्ट्याकसिकयाताद ॥ ले ॥ ॐ ॐ ॐ देवहस्ति
 कर्तुतस्यचंचूसमूडसकुक्षुतावपागतयअगेसमभ्रनद्रुनत्वाहा ॥ थममुनड
 पत्रपंपतसूर्यकिमीना ॥ ९० ॥ धईरुन २ रुतरगक्त २ उतनीकुसत्र २ ईईतत्वाहा
 कक्षुगीयगागागायधात ३ पूय ॥ ९१ ॥ ॐ धूती २ सेवतुधूती २ ई आदिनदवखतु
 रुततव्मात्रकायागी है रुतपउपधत ३ धातगाय मरुधातवधनमयधूतज

पत्रपंक्तसुवृत्तयः॥१२॥सतत्रयतादितपूवृत्तमित्वासदमित्वासाकनास॥१३॥
ॐ उहा दूह नत्वा हाथममन धात्र १११ वै कनक पत्रपंतागताय धात्र स क्षयः॥१४॥
ॐ कनीकसीतर्नभीषक सतंकात्रनत्वा हांथममन धात्र १११ धात्र स पूयवतालय मय श
गा॥१५॥ॐ सहधानात्रीपानी धात्र यीक्षुदय दूह नत्वा हाथममन धात्र १११ धात्र स
पूय हिच्छिय मय श गा॥१६॥ॐ मातयीतक मूखी ॐ कूकी मीष यधयै कती दूह नत्वा
हाथममन धात्र १११ पत्रपंन कर्च कनक पत्रपं पत्रस्य किमिनास॥१७॥ॐ महा
द्याणपठ चात्र न दूह महाद्याण्यधीपावति दूही दूह नत्वा हा॥॥थममन धात्र १०८ कस खत सु
पूकाया वखात्र दूहि दाय स्वथ्म थ्म य थ्म मनु न पञ्जत्रय दूह सपीत सत्व कणा हावत य वन
मवषंथिये मने वती स्वयं मने वप्रकासेनं मने व नीयुयं मने व ताथ्म य मय थ्म ॥१८॥

ॐ पूर्व दीसाधिनात गोश्री हाहा क्रीकन नश्री धन नृवै द्रतांद नश्री प्रक
गुके नाही तुनविउ नरुषि तुत विकन दज हंस न मत्री सने जहा सन मत्री हाथप क
हीके हाती म्वा मरुत उथयीव अत्री आगजाग वापवीत हन मक नृक क्रीना गका
वंधरुस्य नकेत ॥ थ मनु नथात न राजपतर्प विद्या क्लासे हात यस ताय ॥ १९॥ ॥
ॐ ऊऊत ऊऊत वीत हंसपदि हंसव हीदि हंसदि मत्री जी मनी मं प्रधव डग वि
द्यतना उधमि तत्र कि जाव ति हनगी वृक्षात ॥ थ मनु नगी तन विन काक याय स ताय
यव जि व ॥ ५१ ॥ २० ॥ ॐ मन्य मछे नमे जा तुत प्रत मे खाग मत्री सवि स विन श्री ना
सा मछे न मत्री म सत्री मत्री रुगती गृत्स गति रूम मनु छी वी ज्वने वाच ॥ थ
नु अत्र १०८ ॥ माहा का उ कास्य उपतर्प थ मा सज्व नव अमम न स या स वाच नर
सम इ ॥ २१

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सिद्धाय नमः सद्यस्तस्य ध्यात्वा
ध्यात्वा लिख्यमानाणि तानि
भवन्ति लिङ्गाह लब्धानि लिख्य
कामस्तु ॥

ॐ नमो १८ गुण आस्ताः आष
 च मुखर्वच हातर्वं पथयव
 यमगार्वं पदववं पथदिद
 वी ~~व~~ वाचा मसान हेगव
 आस्ता गुण आस्ता ॥ धम इका
 सयावा कलिक इ सना मभा
 यमसान १ वी दी दी का सा
 नय सगर्व ॥ ॥ १६ सिद्धि
 गुण गमाः महा हेगवका
 आस्ता यगालका आस्ता ॥
 धम १०० कापका विडापमीड
 यवयरिया नाम नदय ॥
 ममो हार गमठवय ॥ ॥
 १६ सिद्धि गुण आस्ता ददिन
 कालि उग्रकालि स्याहा ॥ धम १
 भुजपथ मसन नाम अया
 लप धमय सगर्व ॥ नम १॥

ॐ कामाय सुबुद्धिमाहात्म्यं
महादेव उवाच ॥

[illegible]

ॐ ह्रीं श्रीं ओं क्रौं रुद्र स्वाहा ॥
 धाले १०८ ॐ कायका महा
 र्मस दल लङ्कि गवडाकि धाम
 नापै होमयाय सङ्ग मा नाम
 काया शनिवानया कालव
 लासमाय दीन ११ हाङ्क मा
 नाजन निश्चय सिद्ध ॥

[illegible]

॥ अथ श्रीगणेशोक्तम् ॥

[illegible]

[illegible]

12. 11. 10. 9. 8. 7. 6. 5. 4. 3. 2. 1. 0. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12.

[illegible]